अनुक्रमणिका

भूमिका 1-6

प्रथम अध्याय 7-24

1. संत परंपरा : संक्षिप्त परिचय

1.1 संत का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरुप

1.2 महाराष्ट्र के प्रमुख संत, कीर्तन परंपरा का परिचय

1.3 संत गाडगे बाबा : एक परिचय

1.4 कीर्तन: अर्थ, स्वरुप, एवं प्रकार

1.4.1 कीर्तन के प्रकार :- 1) नारदीय कीर्तन 2) वारकरी कीर्तन

1.5 संत गाडगे बाबा की कीर्तन पद्धति

द्वितीय अध्याय 25-48

2. संत गाडगे बाबा के कीर्तनों के विषय एवं हिंदी अनुवाद

2.1 अंधश्रद्धा निर्मूलन

2.1.1 दैववाद

2.1.2 मन्नत

2.1.3 पशुबलि प्रथा विरोध

2.2 शिक्षा का महत्व

तृतीय अध्याय 49-63

3. संत गाडगे बाबा के कीर्तनों की भाषा-शैली

3.1 कीर्तन की भाषा

3.2 कीर्तन की शैली

3.3 कीर्तनों में प्रयुक्त दृष्टांत

4.4 कीर्तनों में प्रयुक्त संत वचन

चतुर्थ अध्याय 64-76

4. संत गाडगे बाबा के कीर्तनों का समाजभाषिक पक्ष

4.1 संत गाडगे बाबा की सामाजिक पृष्ठभूमि

4.2 संत गाडगे बाबा के भक्तों की सामाजिक पृष्ठभूमि

4.3 संत गाडगे बाबा के कीर्तनों का सामाजिक पक्ष

4.3.1 अस्पृश्यता निर्मूलन

4.3.2 व्यसन निर्मूलन

4.3.3 दहेज प्रथा निर्मूलन

4.3.4 स्वच्छता

4.3.5 लोकशिक्षा

उपसंहार 77-78

संदर्भ-सूची 79-81

- आधारभूत पुस्तकें
  - मराठी
  - हिंदी
- शब्दकोश
  - मराठी
  - हिंदी
- ई. साधन

परिशिष्ट

1. संत गाडगे बाबा का संदेश।
2. संत गाडगे बाबा के जीवन से संबंधित कुछ चित्र।
3. गाडगे बाबा के पूर्वज (वंशपरंपरा)।
4. गाडगे बाबा के अनुयायी-कीर्तनकारों की सूची।